Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 19 June 2024

Dainik Jagran
Page - 04

गोवि के जरिये दो लाख लोगों ने ली योग करने की शपथ

गोरखपुर : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजभवन की ओर से आयोजित आनलाइन शपथ ग्रहण में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के जरिये करीब दो लाख लोगों ने 21 जून को योग करने की शपथ ली। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि गोरखपुर परिक्षेत्र के आम जनमानस की व्यापक भागीदारी से विश्वविद्यालय 90 प्रतिशत लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहा और शीर्ष विश्वविद्यालयों की श्रेणी में अपना स्थान बनाया। कुलाधिपति के मार्गदर्शन में आनलाइन योग शपथ ग्रहण महाअभियान 12 जून से 18 जून तक चलाया गया।

Amar Ujala
Page - 07

जीएसटी-कैपिटल मार्केट पर शुरू होगा कोर्स

गोरखपुर विश्वविद्यालय : वाणिज्य विभाग ने अपने पांच साल की कार्ययोजना का दिया प्रेजेंटेशन

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। बाजार से जुड़े आम लोगों और विद्यार्थियों के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय जीएसटी और कैपिटल मार्केट से जुड़े दो डिप्लोमा कोर्स शुरू करेगा। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। अगले सत्र से इन दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया जाएगा।

वाणिज्य विभाग ने हाल ही में अपनी पांच साल की कार्ययोजना का प्रेजेंटेशन कुलपति प्रो. पूनम टंडन को दिया। इसमें वार्षिक, तीन वर्षीय और पंचवर्षीय विजन प्लान शामिल है। विभाग की एक वर्षीय योजना में मुख्य रूप से जीएसटी और कैपिटल मार्केट पर आधारित पीजी डिप्लोमा कोर्स हैं। रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इन दोनों कोर्स का संचालन किया जाएगा।

इसमें सीए और बाजार से जुड़े विशेषज्ञों की भी मदद ली जाएगी। इसका पाठ्यक्रम तेजी से तैयार किया जा रहा है। बोर्ड ऑफ स्टडीज, विद्या परिषद और कार्यपरिषद से स्वीकृति के बाद अगले सत्र से इसमें प्रवेश शुरू हो जाएगा। किसी भी विषय से स्नातक पास अभ्यर्थी इसके लिए आवेदन कर सकेगा।

इसके अलावा एक वर्षीय विजन प्लान में बिल्डिंग को विस्तार देने, चार नए स्मार्ट क्लास, विभाग के पुस्तकालय का कायाकल्प, एक नए तल का निर्माण, कंप्यूटर लैब, शोध छात्रों के लिए कॉमन रूम का निर्माण, वर्ष में एक पुरातन छात्र सम्मेलन, विशिष्ट संस्थानों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करना, यूजीसी से प्रोजेक्ट प्राप्त करना और कम से कम एक पेटेंट हासिल करने का लक्ष्य शामिल है।

शुरू होगा बीकॉम इन ई-अकाउंटिंग एंड ई-टैक्सेशन

विभाग ने अपनी पंचवर्षीय योजना में बीकॉम इन ई-अकाउंटिंग एंड ई-टैक्सेशन कोर्स शुरू करने की योजना बनाई है। इसमें 50 सीटें होंगी। डिप्लोमा कोर्स में यदि सफलता मिलती है तो यह कोर्स भी जल्द ही शुरू हो सकता है। इसके अलावा विभाग की तीन वर्षीय योजना में विभाग में व्यवसाय अध्ययन और परामर्श के लिए केंद्र खोलने, बीकॉम, एमकॉम, बीकॉम बैंकिंग इंश्योरेंस के छात्रों के लिए ज्यादा से ज्यादा कैंपस प्लेसमेंट एवं पंच वर्षीय में शोध छात्रों की विशेषज्ञों द्वारा मेंटरिंग, मॉक इंटरव्यू सेशन, शोध गतिविधियों को बढ़ावा, पेटेंट डिजाइन करना आदि शामिल है।

रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की मांग को देखते हुए अगले सत्र से पीजी डिप्लोमा इन जीएसटी और पीजी डिप्लोमा इन कैपिटल मार्केट पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है। हाल ही में कुलपति प्रो. पूनम टंडन के समक्ष विभाग के विजन प्लान का प्रेजेंटेशन संपन्न हुआ। इसमें उन्होंने नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने के सुझाव दिए, जिससे विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ सकें।

– प्रो. श्रीवर्धन पाठक, अध्यक्ष एवं डीन, वाणिज्य विभाग

बाजार की मांग के अनुरूप विश्वविद्यालय में नए पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाई के बाद तुरंत नौकरी मिल सके। वाणिज्य विभाग में जीएसटी, कैपिटल मार्केट और ई-टैक्सेशन पर कोर्स शुरू करने की योजना है। इसमें इस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों की भी सलाह ली जाएगी।

– प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

डीडीयू से जुड़े दो लाख लोगों ने ली योग करने की शपथ

गोरखपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजभवन की ओर से आयोजित ऑनलाइन शपथ ग्रहण में गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों से जुड़े करीब दो लाख लोगों ने योग करने की शपथ ली।

शीर्ष विश्वविद्यालयों की श्रेणी में आया विश्वविद्यालय

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि गोरखपुर परिक्षेत्र के आम जनमानस की व्यापक भागीदारी से विश्वविद्यालय 90 प्रतिशत लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहा और शीर्ष विश्वविद्यालयों की श्रेणी में अपना स्थान बनाया। कुलाधिपति के मार्गदर्शन में ऑनलाइन योग शपथ ग्रहण महाअभियान 12 से 18 जून तक संचालित किया गया। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को लक्ष्य बनाकर अब तक 25 लाख से अधिक लोगों ने ऑनलाइन योग की शपथ ली है। 19 जून को महिला चिकित्सालय में महिलाओं के लिए योग प्रशिक्षण का कार्यक्रम होगा। संवाद

Hindustan
Page - 04

हिन्दी और शिक्षाशास्त्र में शोध की ललक, आवेदनों में दिखा क्रेज

डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में रेट-2023 के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। कुल 5200 से अधिक विद्यार्थियों ने इसमें आवेदन किया है। इस बार हिन्दी और शिक्षाशास्त्र विषयों में पीएचडी को लेकर छात्रों में जबर्दस्त उत्साह दिखा है। इन दोनों ही विषयों में कुल पांच-पांच सौ से अधिक आवेदन आए हैं। संस्कृत और उर्दू में भी जबर्दस्त आवेदन आए हैं।

- रेट-2023 में 5200 से अधिक अभ्यर्थियों ने किया है इस बार आवेदन
- दोनों विषयों में आवेदन पांच सौ के पार, हिन्दी में 65, एजुकेशन में 54 सीटें
- सीटों की तुलना में संस्कृत और उर्दू में भी बड़ी संख्या में आए हैं आवेदन

डीडीयू में हिन्दी में पीएचडी के लिए कुल 65 सीटें हैं। इनके लिए इस बार कुल 511 आवेदन आए हैं। इसी तरह शिक्षाशास्त्र की 54 सीटों के लिए सर्वाधिक 512 आवेदन आए हैं। संस्कृत की 17 सीटों के लिए कुल 86 तो उर्दू की 6 सीटों के लिए 40 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। हिन्दी, संस्कृत और उर्दू जैसे विषयों के लिए पीएचडी में यह आवेदन इसलिए अहम है क्योंकि पीजी में वहां सीटों की तुलना में प्रतिष्ठा के अनुरूप आवेदन नहीं आए हैं। राजनीतिशास्त्र में 66 सीटों के लिए 364, कॉमर्स में 49 सीटों के लिए 357 आवेदन आए हैं।

कुल 34 विषयों में लिया जाएगा प्रवेश

पीएचडी के लिए कुल 34 विषयों में प्रवेश लिया जाना है। इसके लिए बॉटनी में 189, गृह विज्ञान में 187, इतिहास में 177, केमिस्ट्री में 162, गणित में 159, अर्थशास्त्र में 128, फिजिक्स में 117, मनोविज्ञान में 116 आवेदन आए हैं। इसके अलावा रक्षा अध्ययन में 73 और शारीरिक शिक्षा में 65 आवेदन आए हैं।

दस विषयों में दो सौ से अधिक आवेदन: एडमिशन सेल के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि रेट-2023 में कुल 10 विषयों के लिए 200 से अधिक आवेदन आए हैं। इनमें समाजशास्त्र में 281, भूगोल में 231, जूलॉजी में 230, विधि में 226, प्राचीन इतिहास में 208 और अंग्रेजी में 203 आवेदन हैं।

Rashtriya Sahara
Page - 05

दो लाख लोगों ने ग्रहण किया योग शपथ

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से जु 1,85,528 से अधिक लोगों ने विवि. द्वारा उपलब्ध कराये गये लिंक के माध्यम ऑनलाइन योग शपथ ग्रहण किया है। तकरीबन 90 फीसदी लक्ष्य हासिल कर वि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में गोविवि. भी है। ऑनलाइन योग शपथ लेकर कि रिकॉर्ड बनाने के लिए गोविवि. का बहुमूल्य योगदान माना जा रहा है। 21 जून

- 21 को डीडीयू के स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा वृहद योग कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स स्टेडियम में यो का वृहद कार्यक्रम आयोजित होने वाला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल मार्गदर्शन तथा कुलपति प्रो. पूनम टंडन नेतृत्व में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों से जु विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों के साथ आम जनमानस ने बड़ी संख्या ऑनलाइन योग शपथ लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दि है। विश्वविद्यालय से जुड़े 1,85,528 से अधिक लोगों ने विवि. द्वारा उपल कराये गये लिंक के माध्यम से ऑनलाइन योग शपथ ग्रहण किया है।

डीडीयू ने 90 फीसद लक्ष्य हासिल कर लिया: कुलपति : यो और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों को धन्यवाद देते हुए कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा कि गोरखपुर परिक्षेत्र के आम जनमानस की व्यापक भागीदारी से विश्वविद्यालय 90 प्रतिशत लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहा है और शीर्ष विश्वविद्यालयों की श्रेणी में अपना स्थान बनाया है। इस महा अभियान के बारे में चर्चा करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के नेतृत्व में प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों द्वारा आनलाइन योग शपथ कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जापान तथा यूके के विशेषज्ञों द्वारा आनलाइन योग शपथ पोर्टल का देखरेख भी किया जा रहा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को लक्ष्य बनाकर अब तक 25 लाख से अधिक लोगों ने ऑनलाइन योग शपथ लिया है। कुलपति ने कहा की इस महाअभियान के माध्यम से गोरखपुर के आम जनमानस ने योग तथा स्वास्थ्य के प्रति अपनी जागरूकता को दर्शाया है।

15 जून से 21 जून तक मनाया जा रहा योग दिवस सप्ताह : इस शपथ ग्रहण महा अभियान के साथ साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गोरखपुर विश्वविद्यालय 15 जून से 21 जून तक योग दिवस सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। 15 जून को नौका विहार में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम 'योग फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी' यानी स्वयं और समाज के लिए योग के अनुरूप समाज के सभी वर्गों को इस महाअभियान से जोड़ा गया। इस दौरान योग एवं स्वास्थ्य विषयक ऑनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही महायोगी गुरु श्री गोरखनाथ शोधपीठ में 8 से 15 वर्ष के बच्चों के लिए योग कार्यक्रम तथा उच्च रक्तचाप रोगियों के लिए योगासन व्यायाम आदि का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। योग सप्ताह का समापन पर 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स स्टेडियम में प्रातः 5.30 बजे से वृहद योग कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

यूजी और पीजी की 9 हजार सीटों पर होगा प्रवेश

गोरखपुर(एसएनबी)। गोविवि. में नये सत्र में यूजी के 14 और पीजी के 47 पाठ्यक्रमों के लिए तकरीबन 9 हजार सीटों पर प्रवेश होगा। जिसके लिए करीब 43,500 से अधिक आवेदन आए हैं। इसके अलावा रेट-2023 के लिए इस बार 52 सौ से अधिक आवेदन विश्वविद्यालय को प्राप्त हुए हैं। प्रवेश आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। अब 27 जून से प्रवेश परीक्षाओं की तैयारियां जारी है।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो गयी है। प्रवेश के लिए इस बार 43,500 से अधिक आवेदन विश्वविद्यालय को प्राप्त हुए हैं। इनमें स्नातक में सर्वाधिक 25,246, परास्नातक में 13,204 और रेट-2023 के लिए 5204 आवेदन आए हैं। जिसमें प्रवेश के लिए बीए में सर्वाधिक 5402 आवेदन आए हैं। बीएससी बायोलोजी के लिए 3936, बीएससी गणित के लिए 2435, बीकॉम में 2409, बीसीए में 2068, बीए एलएलबी में 2066, बीएससी एजी में 1806, बीटेक में 1563, बीबीए में 981 आवेदन आए हैं।

पीजी एलएलबी में सर्वाधिक 3227, एमएससी जुलॉजी में 958, एमकॉम में 916, एमबीए में 661, एलएलएम में 631, एमएससी एजी में 548, राजनीति शास्त्र में 534, एमएससी मैथ में 500, एमए में 424, एमएससी केमिस्ट्री में 405, अंग्रेजी में 343, इतिहास में 342, बॉटनी में 341, समाजशास्त्र में 327 आवेदन अभ्यर्थियों द्वारा किये गये हैं।

- प्रवेश के लिए आए 43 हजार से अधिक आवेदन
- यूजी को 25 हजार, पीजी के लिए आए 13 हजार से अधिक आवेदन
- रेट-2023 के लिए इस बार कुल 5200 से अधिक आवेदन

इस प्रकार होगी प्रवेश की सीट मैट्रिक्स : यूजी के 14 पाठ्यक्रमों के लिए कुल 4863 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। पीजी में 47 पाठ्यक्रमों के लिए 4131 सीटों पर प्रवेश लिया जाना है। इसी तरह रेट-2023 में 34 विषयों में 874 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। करीब डेढ़ दर्जन कॉलेजों ने आंशिक या पूर्ण रूप से इस प्रक्रिया में शामिल होने में रुचि दिखाई है।

63 हजार अभ्यर्थियों ने कराया था पंजीकरण : यूजी में प्रवेश के लिए करीब 39 हजार अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। पीजी में प्रवेश के लिए करीब 17 हजार व रेट-2023 के लिए छह हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था।

27 जून से प्रारंभ होंगी प्रवेश परीक्षाएं: कुलपति : प्रो. पूनम टंडन, कुलपति दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने इस बावत बताया कि प्रवेश के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी हो गयी है। इस हफ्ते के अंत तक सभी अभ्यर्थियों का प्रवेश पत्र निर्गत हो जाएगा। अगले दो-तीन दिनों में समय सारिणी भी जारी कर दी जाएगी। प्रवेश परीक्षाएं 27 जून से शुरू करने की तैयारी है।

शोधपीठ में कराया गया योगाभ्यास

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के उपलक्ष्य में साप्ताहिक योग कार्यक्रम के अन्तर्ग चौथे दिन भी योगाभ्यास का आयोजन किया गया।

विवि स्थित महायोगी गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ में योगाभ्यास करते बच्चे। फोटो : एसएनबी

कार्यक्रम का शुभारम्भ महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ के उप निदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र के द्वारा हुआ। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 8 बजे महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ में 50 से 70 वर्ष के आयु के प्रौढ़ों के लिए योग का अभ्यास डा. विनय मल्ल के द्वारा कराया गया। इसके बाद 10 बजे शोधपीठ में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस के रोगियों के लिए योगासन पर डॉ. प्रफुल्ल चंद द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस से ग्रस्त रोगियों के लिए योगाभ्यास के तरीके सिखाए गए। इस ऑनलाइन कार्यक्रम का संचालन हर्षवर्धन सिंह द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में डा. सोनल सिंह, डा. मनोज कुमार द्विवेदी, डा. कुंवर रणंजय सिंह, चिन्मयानन्द मल्ल तथा विद्यार्थी आदि जुड़े रहे।

Amar Ujala Select
Page - 06

जीएसटी और कैपिटल मार्केट पर शुरू होगा डिप्लोमा कोर्स

डीडीयू : वाणिज्य विभाग ने अपने पांच साल की कार्ययोजना का दिया प्रेजेंटेशन

गोरखपुर। बाजार से जुड़े आम लोगों और विद्यार्थियों के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय जीएसटी और कैपिटल मार्केट से जुड़े दो डिप्लोमा कोर्स शुरू करेगा। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। अगले सत्र से इन दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया जाएगा।

वाणिज्य विभाग ने हाल ही में अपनी पांच साल की कार्ययोजना का प्रेजेंटेशन कुलपति प्रो. पूनम टंडन को दिया। इसमें वार्षिक, तीन वर्षीय और पंचवर्षीय विजन प्लान शामिल है। विभाग की एक वर्षीय योजना में मुख्य रूप से जीएसटी और कैपिटल मार्केट पर आधारित पीजी डिप्लोमा कोर्स हैं। रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इन दोनों कोर्स का संचालन किया जाएगा।

इसमें सीए और बाजार से जुड़े विशेषज्ञों की भी मदद ली जाएगी। इसका पाठ्यक्रम तेजी से तैयार किया जा रहा है। बोर्ड ऑफ स्टडीज, विद्या परिषद और कार्यपरिषद से स्वीकृति के बाद अगले सत्र से इसमें प्रवेश शुरू हो जाएगा। किसी भी विषय से स्नातक पास अभ्यर्थी इसके लिए आवेदन कर सकेगा।

इसके अलावा एक वर्षीय विजन प्लान में बिल्डिंग को विस्तार देने, चार नए स्मार्ट क्लास, विभाग के पुस्तकालय का कायाकल्प, एक नए तल का निर्माण, कंप्यूटर लैब, शोध छात्रों के लिए कॉमन रूम का निर्माण, वर्ष में एक पुरातन छात्र सम्मेलन, विशिष्ट संस्थानों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करना, यूजीसी से प्रोजेक्ट प्राप्त करना और कम से कम एक पेटेंट हासिल करने का लक्ष्य शामिल है।

शुरू होगा बीकॉम इन ई-अकाउंटिंग एंड ई-टैक्सेशन

विभाग ने अपनी पंचवर्षीय योजना में बीकॉम इन ई-अकाउंटिंग एंड ई-टैक्सेशन कोर्स शुरू करने की योजना बनाई है। इसमें 50 सीटें होंगी। डिप्लोमा कोर्स में यदि सफलता मिलती है तो यह कोर्स भी जल्द ही शुरू हो सकता है। इसके अलावा विभाग की तीन वर्षीय योजना में विभाग में व्यवसाय अध्ययन और परामर्श के लिए केंद्र खोलने, बीकॉम, एमकॉम, बीकॉम बैंकिंग इंश्योरेंस के छात्रों के लिए ज्यादा से ज्यादा कैंपस प्लेसमेंट एवं पंच वर्षीय में शोध छात्रों की विशेषज्ञों द्वारा मेंटरिंग, मॉक इंटरव्यू सेशन, शोध गतिविधियों को बढ़ावा, पेटेंट डिजाइन करना आदि शामिल है।

> रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की मांग को देखते हुए अगले सत्र से पीजी डिप्लोमा इन जीएसटी और पीजी डिप्लोमा इन कैपिटल मार्केट पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है। हाल ही में कुलपति प्रो. पूनम टंडन के समक्ष विभाग के विजन प्लान का प्रेजेंटेशन संपन्न हुआ। इसमें उन्होंने नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने के सुझाव दिए, जिससे विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ सकें।
>
> – प्रो. श्रीवर्धन पाठक, अध्यक्ष एवं डीन, वाणिज्य विभाग

> बाजार की मांग के अनुरूप विश्वविद्यालय में नए पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाई के बाद तुरंत नौकरी मिल सके। वाणिज्य विभाग में जीएसटी, कैपिटल मार्केट और ई-टैक्सेशन पर कोर्स शुरू करने की योजना है। इसमें इस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों की भी सलाह ली जाएगी।
>
> – प्रो. पूनम टंडन, कुलपति